SEMINAR FOR THE MOTHERS OF TEENAGE GIRLS

A seminar was organized at St. Montfort School, Bhopal, for the mothers of teenage girls from Classes 6 to 8, focusing on adolescent health, hygiene, and emotional well-being. The aim was to help mothers and daughters better understand and navigate the changes of adolescence with confidence.

The event began with a prayer, followed by a floral welcome of the guest speaker, Dr. Rajshree Srivastava, a renowned gynecologist. The ceremonial lighting of the lamp marked the formal beginning of the program.

Students presented a thoughtful skit on personal hygiene and the physical changes during adolescence, which was both informative and engaging.

Dr. Srivastava conducted an insightful session for the mothers, offering valuable guidance on how to support their daughters during puberty with care and understanding.

The next session, “My Periods, My Pride”, led by counselor Ms. Shraddha Balwani, focused on menstrual health and hygiene, particularly in schools and public settings. An interactive Q&A followed, where parents shared their concerns, which were addressed with empathy and expertise.

The program concluded with a vote of thanks by Ms. Shalini Vishwakarma, followed by the National Anthem

सेंट मोंटफोर्ट स्कूल, भोपाल

आज दिनांक 19 जुलाई 2025 सेंट मोंटफोर्ट स्कूल के प्रांगण में कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत किशोर बालिकाओं की माताओं के लिए एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तनों के विषय में माताओं को जागरूक और सशक्त बनाना था, ताकि वे अपनी बेटियों को आत्मविश्वास और समझदारी से इस परिवर्तनशील समय को सँभालने में सहायता कर सकें |

परिचय एवं उद्घाटन समारोह

संगोष्ठी की शुरुआत एक शांतिपूर्ण प्रार्थना एवं प्रार्थना गीत के साथ हुई, जिसने पूरे वातावरण को श्रद्धामय और सौम्य बना दिया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा उपस्थित सभी जनों का स्वागत किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की विशिष्ट वक्ता, प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. राजश्री श्रीवास्तव का परिचय दिया। इसके बाद ज्ञान और प्रकाश के प्रतीक, दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

छात्राओं द्वारा किशोरावस्था स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर नाट्य प्रस्तुति

छात्राओं ने एक प्रभावशाली लघु नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तन, व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को रोचक और संवेदनशील तरीके से दर्शाया गया। यह प्रस्तुति ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रही।

डॉ. राजश्री श्रीवास्तव द्वारा विशेष सत्र

डॉ. राजश्री श्रीवास्तव ने माताओं के लिए एक ज्ञानवर्धक सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक और भावनात्मक परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माताएं इस नाजुक समय में अपनी बेटियों को किस प्रकार समझदारी, धैर्य और प्रेम से सहयोग प्रदान कर सकती हैं।

इंटरएक्टिव सत्र: "मेरे पीरियड्स, मेरी पहचान"

दूसरा सत्र "मेरे पीरियड्स, मेरी पहचान" विषय पर परामर्शदाता सुश्री श्रद्धा बलवानी द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर चर्चा की, विशेष रूप से विद्यालय और सार्वजनिक स्थलों पर इससे कैसे सहजता से निपटा जा सकता है, इस पर उपयोगी जानकारी दी। सत्र के बाद एक संवादात्मक चर्चा भी हुई, जिसमें माताओं ने खुलकर सवाल पूछे और अपने अनुभव साझा किए। सुश्री बलवानी ने सभी प्रश्नों के उत्तर सहानुभूति और विशेषज्ञता के साथ दिए।

धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जो सुश्री शालिनी विश्वकर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों और अभिभावकों का इस संगोष्ठी को सफल और सार्थक बनाने के लिए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने सभी उपस्थितों में गर्व और एकता की भावना का संचार किया।

बरखा रावल